SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
NOTES

NAME:_____ DATE: _____
CLASS: 8 DIV :_____ SUBJECT: HINDI
Prepared By: PRASHANT B. **LESSON- no** 6 भगवान के डाकिए

प्रश्नअभ्यास-

1: कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों बताया हैं? स्पष्ट कीजिए।

:- कवि ने पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए इसलिए कहा है क्योंकि जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश हम तक पहुँचाते हैं। उनके लाए संदेश को हम भले ही न समझ पाए, पर पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ उसे भली प्रकार पढ़ समझ लेतें हैं। जिस तरह बादल और पक्षी दूसरे देश में जाकर भी भेदभाव नहीं- करते उसी तरह हमें भी आचरण करना चाहिए।

2: पक्षी और बादल द्वारा लाई गई चिट्ठियों को कौनकौन पढ़ पाते हैं-? सोच कर लिखिए।

:- पक्षी और बादल द्वारा लायी गई चिट्ठियों को पेड़पौधे-, पानी और पहाड़ पढ़ पाते हैं।

3: किन पंक्तियों का भाव है :
(क),, सद्भाव और एकता का संदेश एक देश से दूसरे देश को भेजते हैं।
(ख) - -_प्रकृति देश देश में भेद भाव नहीं करती। एक देश से उठा बादल दूसरे देश में बरस जाता है।-
:
(क),
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधें, पानी और पहाड़
बाँचते हैं।
(ख) और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी
बनकर गिरता है।

4: पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़पौधे-, पानी और पहाड़ क्या पढ़ पाते हैं?

:- कवि का कहना है कि पक्षी और बादल भगवान के डाकिए हैं। जिस प्रकार डाकिए संदेश लाने का काम करते हैं, उसी प्रकार पक्षी और बादल भगवान का संदेश लाने का काम करते हैं। पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़पौधे-, पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के संदेश को पढ़ पाते हैं। इसपर अमल करते नदियाँ समान भाव से सभी लोगों में अपने पानी को बाँटती है। पहाड़ भी समान रूप से सबके साथ खड़ा होता है। पेड़पौधें समान भाव से अपने फल-, फूल व सुगंध को बाँटते हैं, कभी भेदभाव नहीं करते।

5: "एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है" – कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

:- एक देश की धरती अपने सुगंध व प्यार को पक्षियों के माध्यम से दूसरे देश को भेजकर सद्भावना का संदेश भेजती है। धरती अपनी भूमि में उगने वाले फूलों की सुगंध को हवा से, पानी को बादलों के रूप में भेजती है। हवा में उड़ते हुए पक्षियों के पंखों पर प्रेमती है। इस प्रकार एप्यार की सुगंध तैरकर दूसरे देश तक पहुँच जा-क देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।

6: पक्षियों और बादल की चिट्ठियों के आदानप्रदान को आप किस दृष्टि से देख सकते हैं-?

:- पक्षी और बादल की चिट्ठियों के आदानप्रदान को हम प्रेम-, सौहार्द और आपसी सद्भाव की दृष्टि से देख सकते हैं। यह हमें यहीं संदेश देते हैं।

7: आज विश्व में कहीं भी संवाद भेजने और पाने का एक बड़ा साधन इंटरनेट है। पक्षी और बादल की चिट्ठियों की तुलना इंटरनेट से करते हुए दस पंक्तियाँ लिखिए।

:- पक्षी और बादल प्रकृति के अनुसार काम करते हैं किंतु, इंटरनेट मनुष्य के अनुसार काम करते है। बादल का कार्य प्रकृतिप्रेमी को प्रभावित करती है किंतु-, इंटरनेट विज्ञानं प्रेमी को प्रभावित करती है। पक्षी और बादल का कार्य धीमी गति से होता है किंतु, इंटरनेट का कार्य तीव्र गति से होता है। इंटरनेट एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक बात पहुँचाने का ही सरल तथा तेज माध्यम है। इसके द्वारा हम किसी व्यक्तिगत रायों को जान सकते हैं किन्तु पक्षी और बादल की चिट्ठियाँ हमें भगवान का सन्देश देते हैं। वे बिना भेदभाव के सारी दुनिया में प्रेम और एकता का संदेश देते हैं। हमें भी इंटरनेट के माध्यम से प्रेम और एकता और भाईचारा का संदेश विश्व में फैलाना चाहिए।

8: 'हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका' क्या है? इस विषय पर दस वाक्य लिखिए।

:- डाकिया' भारतीय सामाजिक जीवन की एक आधारभूत कड़ी है। डाकिया द्वारा डाक लाना, पत्रों का बेसब्री से इंतज़ार, डाकिया से ही पत्र पढ़वाकर उसका जवाब लिखवाना इत्यादि तमाम महत्त्वपूर्ण पहलू हैं, जिन्हें नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके परिचित सभी तबके के लोग हैं। हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। भले ही अब कंप्यूटर और इमेल का ज़माना आ गया है पर-, डाकिया का महत्त्व अभी भी उतना ही बना हुआ है जितना पहले था। कई अन्य देशों ने होमहोम डिलीवरी को खत्म करने की तरफ कदम बढ़ाये हैं-टू-, या इसे सुविधाशुल्क से जोड़ दिया है-, वहीं भारतीय डाकिया आज भी सुबह से शाम तक चलता ही रहता है। डाकिया कम वेतन पाकर भी अपना काम अत्यन्त परिश्रम और लगन के साथ संपन्न करता है। गर्मी, जाड़ा और बरसात का सामना करते हुए वह समाज की सेवा करता है। भारतीय डाक प्रणाली की गुडविल बनाने में उनका सर्वाधिक योगदान माना जाता है।

SUB.TEACHER HOD COORDINATOR PRINCIPAL